

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट & पर्यावरण प्रबंधन योजना का

सेलुद क्लस्टर चूनापत्थर (निम्नग्रेड) खदान
पर
गाँव: सेलुद, तहसील: पाटन, जिला- दुर्ग, राज्य: छत्तीसगढ़

Area 2.61 ha. At Khasra No.

303/1, 304 and 307/1; 324/2, 325 and 326

क्लस्टर में कुल क्षमता: 12,206 प्रतिवर्ष टन

कार्यकारी सारांश हिंदी

परियोजनाकानाम	ब्लॉक/ खसरा	क्षेत्र (एकड़)/ (हेक्टेयर)	TOR पत्र क्रमांक देखें	TOR स्वीकृत तिथि	प्रस्तावित क्षमता (TPA)
मैसर्स सेलुद चूनापत्थर खदान(प्रो. श्री श्याम शर्मा)	303/1, 304 and 307/1.	1.48 Ha /3.66 Acres	359/S.E.A.C., C.G./MINE/1866 Nava Raipur Atal Nagar, Dated 13/06/2022	Dated 13/06/2022	6,206 TPA
मैसर्स सेलुद चूनापत्थर खदान (प्रो. श्री हिमांशु बघेल)	324/2, 325 and 326	1.13 Ha /2.79 Acres	361/S.E.A.C., C.G./MINE/1867 Nava Raipur Atal Nagar, Dated 13/06/2022	Dated 13/06/2022	6,000 TPA

आवेदक

श्री श्याम शर्मा एंड श्री हिमांशु बघेल



Contact: 8826287364, 9555548342
GSTIN-09AATFP5994M1ZY
PAN- AATFP5994M



P & M Solution



Accredited by QCI NABET

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशू बघेल।

कार्यकारी सारांश

परिचय

पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) एक प्रक्रिया है, जिसका उपयोग निर्णय लेने से पहले किसी परियोजना के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों की पहचान करने के लिए किया जाता है। यह एक निर्णय लेने वाला उपकरण है, जो प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए उचित निर्णय लेने में निर्णयकर्ताओं का मार्गदर्शन करता है। EIA व्यवस्थित रूप से प्रस्तावित परियोजना के लाभकारी और प्रतिकूल दोनों परिणामों की जांच करती है और यह सुनिश्चित करती है कि इन प्रभावों को परियोजना की डिजाइनिंग के दौरान ध्यान में रखा जाए।

भू-रेखीय रूप से ML क्षेत्र देशांतर 81°26'1.05"E से 81°26'00.98"E पूर्व और अक्षांश 21°05'29.64"N से 21° 05'27.89"N उत्तर तक फैला हुआ है। प्रस्तावित परियोजना के अध्ययन क्षेत्र में खनन पट्टा सीमा के चारों ओर 10 किमी त्रिज्या, कोर ज़ोन (एमएल क्षेत्र) और बफर ज़ोन (लीज़ सीमा से 10 किमी त्रिज्या) दिखाने वाला मानचित्र शामिल है।

UNFC वर्गीकरण के अनुसार स्थापित किए गए अन्वेषण और आर और बाजार की मांग 12206 TPA पर रहेगी।
स्थान

ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग, राज्य-छत्तीसगढ़ भौगोलिक रूप से ML क्षेत्र देशांतर 81°26'1.05"E से 81°26'00.98" पूर्व और अक्षांश 21°05'29.64"N से 21° 05'27.89"N है। प्रस्तावित परियोजना के अध्ययन क्षेत्र में खनन पट्टा सीमा, कोर ज़ोन (एमएल ज़ोन) और बफर ज़ोन (पट्टे की सीमा से 10 किमी त्रिज्या) के आसपास 10 किमी त्रिज्या दिखाने वाला नक्शा शामिल है।

संयोजकता

लीज एरिया दुर्ग से करीब 20 किलोमीटर दूर है। एमएल क्षेत्र तक नया रायपुर मार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग 53 से पहुंचा जा सकता है जो उत्तर दिशा में 11 किलोमीटर की दूरी पर है। निकटतम रेलवे स्टेशन मरोदा रेलवे स्टेशन 11 कि.मी. निकटतम हवाई अड्डा स्वामी विवेकानन्द हवाई अड्डा है जो उत्तर पूर्व दिशा में 34 किलोमीटर की दूरी पर है।

मेलिंग / पत्राचार परियोजना प्रस्तावक का पता:

मैसर्स सेलुड चूना पत्थर खदान

(प्रो. श्री श्याम शर्मा),,

ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग

राज्य-छत्तीसगढ़

मेलिंग / पत्राचार परियोजना प्रस्तावक का पता:

मैसर्स सेलुड चूना पत्थर खदान,

(प्रो. श्री हिमांशू बघेल)

ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग

राज्य-छत्तीसगढ़

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

परियोजना का आकार

Mine	Village	Khasra No.	Area (Ha)	Type of land
प्रो. श्री श्याम शर्मा	सेलुड	324/2, 325 and 326	1.48 Ha	सरकारी भूमि गैर वन, गैर कृषि, बंजर भूमि
प्रो. श्री हिमांशु बघेल 303/1, 304 and 307/1.	सेलुड	303/1, 304 and 307/1	1.13 Ha	सरकारी भूमि गैर वन, गैर कृषि, बंजर भूमि
Total			2.61 Ha	

कुल माइन लीज क्षेत्र माना जाता है 2.61 हेक्टेयर। प्रस्तावित उत्पादन **6,206 TPA for** प्रो. श्री श्याम शर्मा, और प्रस्तावित उत्पादन **6,000 TPA** प्रो. श्री हिमांशु बघेल
(6,206 MT+6,000 TPA) = 12206 TPA

परियोजना का अनुमानित जीवन और लागत

ग्राम सेलुड में खदान के लिए मेरा अनुमानित जीवन काल, (1.48 हेक्टेयर) प्रस्तावित चूना पत्थर का औसत उत्पादन = 6206 मीट्रिक टन/वर्ष है और खनन योग्य भंडार 48,209 मीट्रिक टन/वर्ष है। तो मेरी अनुमानित आयु की गणना $48,209 / 6206 = 7.77$ वर्ष या कहें 8 वर्ष है।

सेलुड गांव में खदान के लिए मेरा अनुमानित जीवन काल, (1.13 हेक्टेयर) प्रस्तावित चूना पत्थर का औसत उत्पादन = 6000 मीट्रिक टन/वर्ष है और खनन योग्य भंडार 1,02,097.5 मीट्रिक टन/वर्ष है। तो मेरा अनुमानित जीवन काल $10,2097.5 / 6000 = 17.01$ वर्ष या कहें 17 वर्ष है।

खुदाई

खनन क्षेत्र में ओपनकास्ट सेमी मैकेनाइज्ड पद्धति को पट्टे के क्षेत्र में अपनाया जाएगा। उत्खनन आमतौर पर पिक-कुल्हाड़ियों, क्रॉबर, छेनी के उपयोग के साथ मैनुअल श्रम द्वारा किया जाएगा; स्लेज हथौड़ों आदि और ट्रैक्टर / ट्रक / टिपर में लोड किया जाता है। चूना पत्थर को बाजार में आपूर्ति के लिए उपयुक्त रूप से मिश्रित किया जाएगा। बाकी अंतर बोझ है।

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़,
निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

प्रो. श्री श्याम शर्मा,

वर्षवार उत्पादन विवरण

Year Wise	Production (MT)
1 st Year	6,000
2 nd Year	6,000
3 rd Year	6,000
4 th Year	6,000
5 th Year	6,000
TOTAL	30,000

प्रो. श्री हिमांशु बघेल,

वर्षवार उत्पादन विवरण

Year Wise	Production (MT)
1 st Year	6,000
2 nd Year	6,000
3 rd Year	6,000
4 th Year	6,000
5 th Year	6,000
TOTAL	30,000

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

विभिन्न चरणों में भूमि उपयोग का सारांश निम्नानुसार होगा (हेक्टेयर में):

एम एम आर के अनुसार बेंचों का निर्माण करके व्यवस्थित कार्य किया जाएगा। 1961. मानव स्वास्थ्य और खनिज की सुरक्षा और संरक्षण के सिद्धांतों का पालन करने के लिए एमएमआर 1961, खान अधिनियम -1952, एमसीआर -2016 और एमसीडीआर -1988 के सभी लागू नियमों का पालन किया जाएगा।

कचरे का निपटान

कचरे की प्रकृति, वार्षिक पीढ़ी की दर और कचरे के निपटान के लिए प्रस्ताव: खदान अपशिष्ट निम्नलिखित के रूप में है: -

अपशिष्ट की प्रकृति, इसके वार्षिक उत्पादन की दर और अपशिष्ट के निपटान के प्रस्ताव: ऊपरी मिट्टी को ओवरबर्डन/अपशिष्ट कहा जाएगा। यह क्षेत्र लगभग 1.0 मीटर की औसत मोटाई वाली मिट्टी से थोड़ा ढका हुआ है। मिट्टी के नीचे वांछित अयस्क चूना पत्थर उजागर होता है। उत्खनन अवधि के दौरान अपशिष्ट उत्पन्न होगा

Waste Generation of (श्री श्याम शर्मा)

योजना अवधि के दौरान गड्ढे क्षेत्र से कुल लगभग 11359 घन मीटर मिट्टी/ओबी उत्पन्न हुई। मृदा प्रबंधन का विवरण नीचे दिया गया है:-

मिट्टी /OB	10326 m ³
20 % सूजन कारक	2065 m ³
सूजन कारक के साथ कुल मिट्टी	12391 m ³
7.5 मीटर सुरक्षा क्षेत्र में से 4.5 मीटर में मिट्टी की ऊंचाई	डंपिंग क्षेत्र 2233 वर्ग मीटर और ऊंचाई 1.0 मीटर है
डंपिंग	<ol style="list-style-type: none">2233 वर्ग मीटर (7.5 मीटर सुरक्षा क्षेत्र क्षेत्र में से 4.5 मीटर) सुरक्षा क्षेत्र क्षेत्र 1 मीटर ऊंचाई पर 2233 सीयूएम मिट्टी डाली जाएगी।694 वर्ग मीटर क्षेत्र में 3 मीटर ऊंचाई में 2070 शेष 8088 CUM मिट्टी निकटवर्ती भूमि पर डंप की जाएगी।

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

Waste Generation of (श्री हिमांशु बघेल)

योजना अवधि के दौरान गड्ढे क्षेत्र से कुल लगभग 7857 वर्ग मीटर मिट्टी/ओबी (20% सूजन कारक के साथ 9428 घन मीटर) उत्पन्न हुई। मृदा प्रबंधन का विवरण नीचे दिया गया है:-

मिट्टी /OB	7857 m ³
20 % सूजन कारक	1571 m ³
सूजन कारक के साथ कुल मिट्टी	9428 m ³
7.5 मीटर सुरक्षा क्षेत्र में से 4.5 मीटर में मिट्टी की ऊंचाई	डंपिंग क्षेत्र 3953 वर्ग मीटर और ऊंचाई 1.0 मीटर है
डंपिंग	3953 घन मीटर मिट्टी 3953 वर्ग मीटर (7.5 मीटर सुरक्षा क्षेत्र क्षेत्र में से 4.5 मीटर) सुरक्षा क्षेत्र क्षेत्र 1 मीटर ऊंचाई पर डाली जाएगी और शेष 5475 घन मीटर मिट्टी निकटवर्ती भूमि पर डाली जाएगी।

(प्रो. श्री श्याम शर्मा) के डंपिंग साइट का चयन

ओ.बी. के निस्तारण का स्थान उत्पादन और विकास योजना में दिखाया गया है। प्रस्तावित वर्षों में ओवरबर्डन उत्पन्न होगा, वैधानिक सीमा (7.5 मीटर बैरियर जोन) में पट्टा क्षेत्र के 1.0 मीटर की ऊंचाई पर वृक्षारोपण के लिए डंप किया जाएगा। खदान क्षेत्र से कोई अपशिष्ट पदार्थ उत्पन्न नहीं होगा।

(प्रो. श्री हिमांशु बघेल,) के डंपिंग साइट का चयन

ओ.बी. के निस्तारण का स्थान उत्पादन और विकास योजना में दिखाया गया है। प्रस्तावित वर्षों में ओवरबर्डन उत्पन्न होगा, वैधानिक सीमा (7.5 मीटर बैरियर जोन) में पट्टा क्षेत्र के 2.0 मीटर की ऊंचाई पर वृक्षारोपण के लिए डंप किया जाएगा। खदान क्षेत्र से कोई अपशिष्ट पदार्थ उत्पन्न नहीं होगा।

खनिज का उपयोग

चूना पत्थर का उपयोग स्टील प्लांटों में बीएफ ग्रेड के रूप में और औद्योगिक चूने के निर्माण के लिए चूने के भट्टों में किया जाएगा। खनन के दौरान उत्पन्न थ्रेसहोल्ड वैल्यू और जुर्माना से ऊपर के निम्न ग्रेड चूना पत्थर का उपयोग सीमेंट संयंत्रों में किया जाएगा।

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

सामान्य विशेषताएं

i) भूतल ड्रेनेज पैटर्न

खदान पट्टा क्षेत्र में कोई वन भूमि अथवा कृषि भूमि नहीं है। संपूर्ण खनन पट्टा जलोढ़ मिट्टी से ढका हुआ है।-

ii) वाहन यातायात घनत्व

परियोजना स्थल के पास की सड़कों और क्षेत्र में कनेक्टिंग मुख्य सड़कों की मौजूदा वहन क्षमता को समझकर यातायात विश्लेषण किया जाता है। फिर खदान की क्षमता के आधार पर, वर्तमान परिदृश्य में जोड़े जाने वाले ट्रकों की संख्या की तुलना वहन क्षमता से की जाएगी।

मौजूदा यातायात परिदृश्य & LOS

Road	V	C	Existing V/C Ratio	LOS
SH 22	1300	15000	0.089	A

Source: Capacity as per IRC: 64-1990

V= Volume of Vehicles in PCU's/day & C= Capacity of Road in PCU's/day

The existing Level of Service (LOS) is "A" & "B" i.e. excellent & very good.

जनशक्ति की आवश्यकता (प्रो. श्री श्याम शर्मा)

प्रस्तावित परियोजना के लिए जनशक्ति की आवश्यकता नीचे दी जाएगी जिनका उपयोग ट्रकों या ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में खनिजों की खुदाई और लोडिंग के लिए किया जाएगा। मानव-शक्ति की आवश्यकता का विवरण नीचे दिया गया है:

अत्यधिक कुशल		
S No	पद का नाम	व्यक्ति की संख्या
1	खनन प्रबंधक	1
2	प्रशिक्षण प्रबंधक	1
कुशल		
1	कंप्रेसर ऑपरेटर	1
2	खुदाई करने वाला संचालक	1
3	जैक हैमर ऑपरेटर	1

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुद, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

4	पर्यवेक्षक	1
अर्द्ध कुशल		
1	जल छिड़काव हेतु चालक	1
2	ब्लास्टिंग सहायक	1
3	मेरे और कार्यालय के लिए सुरक्षा गार्ड	2
4	पम्प संचालक	1
5	कार्यालय के कर्मचारी	1
संयुक्त राष्ट्र से कुशल		
1	श्रम	8
Total		20

खदान संचालन के दौरान (श्री हिमांशु बघेल)

खदान संचालन के दौरान (क्लस्टर क्षेत्र के लिए)

मेरी प्रस्तावित क्षमता/वर्ष	: 12206 MT/Annum
कार्य दिवसों की संख्या	: 225 days
मेरी प्रस्तावित क्षमता/दिन	: 54.3 or say 55 TPD
ट्रक की क्षमता	: 10 tonnes
तैनात ट्रकों की संख्या/दिन	: 5.5 or say 6 Trucks
प्रतिदिन आने-जाने में तैनात ट्रकों की संख्या	: $6 \times 2 = 12$
PCU/day (12*3)	: 36 PCU

संशोधित यातायात परिदृश्य & LOS

Road	V	C	Modified V/C Ratio	LOS
State Highway 22	$1300 + 36 = 1336$	15000	0.09	A

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

प्रस्तावित खदान से LOS मूल्य "उत्कृष्ट" हो सकता है। तो चिंता सड़कों की वहन क्षमता पर अतिरिक्त भार का कोई महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव होने की संभावना नहीं है।

iii) पानी की मांग

खदान में खनिज का कोई प्रसंस्करण नहीं किया जाएगा। केवल सरल आकार और छंटनी की जाएगी।

जनशक्ति की आवश्यकता

जनशक्ति की आवश्यकता (प्रो. श्री हिमांशु बघेल)

प्रस्तावित परियोजना के लिए जनशक्ति की आवश्यकता नीचे दी जाएगी जिनका उपयोग ट्रकों या ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में खनिजों की खुदाई और लोडिंग के लिए किया जाएगा। मानव-शक्ति की आवश्यकता का विवरण नीचे दिया गया है:

जनशक्ति की आवश्यकता

अत्यधिक कुशल		
S No	पद का नाम	व्यक्ति की संख्या
1	खनन प्रबंधक	1
2	प्रशिक्षण प्रबंधक	1
कुशल		
1	कंप्रेसर ऑपरेटर	1
2	खुदाई करने वाला संचालक	1
3	जैक हैमर ऑपरेटर	1
4	पर्यवेक्षक	1
अर्द्ध कुशल		
1	जल छिड़काव हेतु चालक	1
2	ब्लास्टिंग सहायक	1
3	मेरे और कार्यालय के लिए सुरक्षा गार्ड	2

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

4	पम्प संचालक	1
5	कार्यालय के कर्मचारी	1
संयुक्त राष्ट्र से कुशल		
1	श्रम	8
Total		20

बेसलाइन-पर्यावरण के विवरण

इस खंड में क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे के आधारभूत अध्ययनों का वर्णन है। एकत्र किए गए डेटा का उपयोग प्रस्तावित खनन परियोजना के आसपास मौजूदा पर्यावरण परिदृश्य को समझने के लिए किया गया है, जिसके खिलाफ परियोजना के संभावित प्रभावों का आकलन किया जा सकता है।

के लिए खनन का प्रस्ताव करने के संबंध में पर्यावरणीय डेटा एकत्र किया गया है: -

(a) भूमि

(b) पानी

(c) वायु

(d) शोर

(e) जैविक

(च) सामाजिक-आर्थिक

(ए) भूमि उपयोग:

भूमि उपयोग में प्राकृतिक पर्यावरण या जंगल के प्रबंधन और निर्मित वातावरण जैसे बस्तियों और अर्ध-प्राकृतिक आवासों जैसे कृषि योग्य क्षेत्रों, चरागाहों और प्रबंधित जंगलों का प्रबंधन और संशोधन शामिल है। इसे "व्यवस्थाओं, गतिविधियों और इनपुट के कुल योग के रूप में भी परिभाषित किया गया है जो लोग एक निश्चित भूमि कवर प्रकार में करते हैं।

Land Use Type	Area (Ha.)
Scrub Land	520.51
Agriculture Land	29,893.19
River/Water Bodies	315.88
Settlement	960.10
Stone Quarry	65.77
Total	31755.45

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

वहाँ कोई राष्ट्रीय उद्यान, बायोस्फीयर रिजर्व, जीवों के प्रवासी मार्ग और पट्टे के क्षेत्र के 10 किमी परिधि के भीतर राष्ट्रीय स्मारक उपलब्ध माध्यमिक डेटा के अनुसार नहीं है। लीज एरिया के भीतर कोई बस्ती नहीं है।

बेसलाइन पर्यावरण का विश्लेषण परिणाम

(ए) मृदा के विश्लेषण के परिणाम।

• IS-10500 मानकों के अनुसार पीने के पानी के नमूनों के लिए निर्धारित पीएच सीमा 6.5 से 8.5 है, इस सीमा से परे पानी म्यूकस झिल्ली या जल आपूर्ति प्रणाली को प्रभावित करेगा। अध्ययन अवधि के दौरान, भूजल का पीएच 7.02 से 7.36 तक भिन्न था। अध्ययन अवधि के दौरान अध्ययन क्षेत्र में एकत्र किए गए सभी नमूनों का पीएच मान सीमा के भीतर पाया गया। जैसे, जलवायु, स्थानीय बायोटा (पौधे और जानवर), बेडरोल और सर्फियल जियोलॉजी, साथ ही साथ मानव प्रभाव विश्लेषण रिपोर्ट में दिखाए गए हैं।

• IS-10500 मानकों के अनुसार कुल घुलनशील ठोस पदार्थों के लिए वांछनीय सीमा 500 mg/L है जबकि वैकल्पिक स्रोत के अभाव में अनुमेय सीमा 2000 mg/L है। अध्ययन क्षेत्र से एकत्र किए गए भूजल नमूनों में, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 310 मिलीग्राम/लीटर से 412 मिलीग्राम/लीटर तक हैं। नमूनों का टीडीएस क्रमशः 500 मिलीग्राम/लीटर और 2000 मिलीग्राम/लीटर की वांछनीय सीमा और अनुमेय सीमा के भीतर था।

(बी) पानी की व्यवस्था

जल गुणवत्ता मूल्यांकन ईआईए अध्ययन के आवश्यक घटकों में से एक है। इस तरह के मूल्यांकन से जल निकाय के मौजूदा स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने और विकास परियोजनाओं से संभावित प्रभाव को कम करने के लिए उचित शमन उपाय सुझाने में मदद मिलती है। निर्माण, पीने, शीतलन और बागवानी उद्देश्यों में प्रस्तावित जल-उपयोग का आकलन करने के लिए भूजल की गुणवत्ता का अध्ययन किया गया है।

मार्च से मई 2022 के दौरान 10 किमी के प्रभाव क्षेत्र के भीतर साइट और अन्य स्थानों पर पानी की गुणवत्ता की निगरानी की गई।

(c) परिवेशी वायु गुणवत्ता

परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी से पता चलता है कि आठ निगरानी स्टेशनों में से PM2.5 की न्यूनतम सांद्रता AQ1 पर 26.20 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ और AQ8 (कोर जोन) पर अधिकतम 44.11 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ है। PM10 के परिणामों से पता चलता है कि न्यूनतम सांद्रता AQ1 पर है। AQ3 पर 47.12 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ जबकि AQ8 पर 66.38 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ की अधिकतम सांद्रता पाई जाती है। PM10 और PM2.5 के लिए ये मान सभी स्टेशनों पर आवासीय और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए क्रमशः 100 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ और 60 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ की निर्धारित CPCB सीमा के भीतर हैं।

गैसीय प्रदूषक SO2 और NO2 सभी स्टेशनों पर आवासीय और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए निर्धारित CPCB सीमा 80 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ के भीतर हैं। SO2 की न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता क्रमशः 9.24 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ और AAQ5 पर 14.17 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ पाई गई। NO2 की न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता AAQ3 पर क्रमशः 12.12 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ और AAQ8 पर 20.13 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ पाई जाती है।

(d) शोर का वातावरण

शोर की निगरानी से पता चलता है कि दिन के समय न्यूनतम और अधिकतम शोर स्तर क्रमशः NQ5 पर 47.16 dB (A) और NQ2 पर 60.12 dB (A) दर्ज किया गया था। रात के समय न्यूनतम और अधिकतम शोर स्तर क्रमशः NQ5 पर 37.34 dB (A) और NQ2 पर 47.22 dB (A) पाया गया।

अध्ययन क्षेत्र के 10 किमी के दायरे में कई स्रोत हैं, जो क्षेत्र के स्थानीय शोर स्तर में योगदान करते हैं। परियोजना के शुरू होने पर, यातायात गतिविधियों से निकलने वाली ध्वनि क्षेत्र के परिवेशीय शोर स्तर में वृद्धि करेगी। उचित सुझावात्मक कदम उठाकर इस पर नियंत्रण रखा जाएगा।

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुद, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

(च) सामाजिक-आर्थिक

जनसंख्या संरचना

2011 की जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 70061 है। इसमें से 52.0 प्रतिशत पुरुष हैं और शेष 48.0 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसके अलावा, कुल आबादी का 15.2 प्रतिशत 0-6 आयु वर्ग का है। उनमें से लगभग 53.7 प्रतिशत पुरुष हैं और शेष 46.3 प्रतिशत महिलाएं हैं।

लिंग अनुपात

अध्ययन क्षेत्र में समग्र लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 923 महिलाओं के लिए काम किया गया है, जो प्रति 1000 पुरुषों पर 940 महिलाओं के राष्ट्रीय औसत से कम है। अध्ययन क्षेत्र में दर्ज उच्चतम लिंगानुपात पुरुषों के प्रति हजार महिलाओं पर 2000 है। 0-6 आयु वर्ग के बच्चों के लिंगानुपात को 863 महिलाओं को प्रति 1000 पुरुषों पर काम किया गया है।

जनसंख्या का घनत्व

अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या का समग्र घनत्व 216 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर तक काम किया गया है। यह राज्य के लिए जनसंख्या के घनत्व से कम है, जो कि जनगणना 2011 के अनुसार 236 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

परिवारों

अध्ययन क्षेत्र में 15857 घर हैं और औसत घरेलू आकार चार है।

सामाजिक संरचना

अध्ययन क्षेत्र में अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित व्यक्तियों की कुल संख्या 12789 है, जो कुल जनसंख्या का 18.3 प्रतिशत है। शेड्यूल का लिंग वार वितरण

जाति की जनसंख्या पुरुष 51.7 प्रतिशत और महिला 48.3 प्रतिशत है, जो एक हजार पुरुषों पर 934 महिलाओं का लिंग अनुपात दर्ज करता है।

आंकड़ों के आगे के विश्लेषण से पता चलता है कि अध्ययन क्षेत्र में, अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित व्यक्तियों की कुल संख्या 11932 है, जो कुल आबादी का 17.0 प्रतिशत है। यह अध्ययन क्षेत्र में रहने वाले अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित व्यक्तियों की कुल संख्या के लगभग समान है।

कुल जनसंख्या का लगभग 64.7 प्रतिशत सामान्य वर्ग का है, जिसमें to अन्य पिछड़ी जातियों 'से संबंधित लोग शामिल हैं। पूर्ण संख्या में जनसंख्या इस श्रेणी में 52 प्रतिशत पुरुष और 48 प्रतिशत महिला के साथ 45340 है। सामान्य श्रेणी की आबादी का लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 922 महिलाओं के लिए काम किया गया है।

गरीब और दलित अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों का सामाजिक-आर्थिक विकास एक सतत प्रक्रिया है और केंद्र और राज्यों दोनों में, सरकार इन लोगों की नियति में सुधार के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उपरोक्त श्रेणियों के सदस्यों के लिए अधिशेष भूमि का वितरण सरकार द्वारा उनके आर्थिक सशक्तीकरण के लिए उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकारों ने सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की अपनी सूची तैयार की है और उनके लिए विभिन्न विकासात्मक योजनाओं को लागू किया है। ये योजनाएं मुख्य रूप से शिक्षा और आय सृजन के क्षेत्र में हैं। उपरोक्त समुदायों के बीच विभिन्न समूहों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सभी चल रही योजनाओं की गंभीर रूप से जांच की जाती है और समय-समय पर संशोधित की जाती है। सरकार ने विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए ग्रामीण गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। Gar सम्पूर्णग्रेमानरोजगार्योजना (SGRY) एक ऐसा कार्यक्रम है, जो कमजोर वर्ग और महिलाओं के वेतन और उन्हें रोजगार प्रदान करके उनके हितों की रक्षा के लिए शुरू किया गया था। Y स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई), एक अन्य ग्रामीण विकास योजना का उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे के गरीब परिवारों को ऋण और सब्सिडी के मिश्रण के माध्यम से आय पैदा करने वाली परिसंपत्तियां प्रदान करना है।

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

एसजीएसवाई ने यह भी स्पष्ट प्रावधान किया है कि स्वराजगारियों का 50 प्रतिशत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से होना चाहिए।

दशकों से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र दोनों में तेजी से प्रगति कर रहे हैं। आज वे अछूत नहीं हैं। साक्षर अनुसूची जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग व्यापार, वाणिज्य और उद्योग, पुलिस और सशस्त्र बलों सहित निजी और सरकारी सेवाओं में लगे हुए हैं।

साक्षरता और साक्षरता दर

सात वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी व्यक्ति, जो ब्रेल सहित किसी भी भाषा में समझ के साथ पढ़ और लिख सकते हैं, उन्हें साक्षर माना जाता है। अध्ययन क्षेत्र में साक्षर व्यक्तियों की कुल संख्या 41183 है, जो कुल जनसंख्या का 58.8 प्रतिशत है। साक्षर व्यक्तियों की कुल संख्या में 58.8 प्रतिशत पुरुष हैं और शेष 41.2 प्रतिशत महिलाएं हैं।

अध्ययन क्षेत्र में समग्र साक्षरता दर 69.3 प्रतिशत है। साक्षरता दर के लिंग वार वितरण से पता चलता है कि साक्षर व्यक्तियों में से 78.8 प्रतिशत पुरुष और 59.2 प्रतिशत महिलाएं हैं। इससे 19.6 प्रतिशत का लैंगिक अंतर पैदा होता है।

संबंधित पर्यावरणीय महत्व और योग्यता माप

परिवेशी वायु गुणवत्ता पर प्रभाव

खनन पूरी तरह से यंत्रिक विधि के अलावा अन्य द्वारा किए जाने का प्रस्ताव है। अयस्क और हैंडलिंग संचालन के साथ-साथ परिवहन द्वारा उत्पन्न वायु जनित कण पदार्थ मुख्य वायु प्रदूषक है। सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂), ऑक्साइड्स ऑफ़ नाइट्रोजन (NO_x) का उत्सर्जन ढोना सड़कों पर चलने वाले वाहनों द्वारा योगदान किया गया है जो मामूली है। वायु उत्पादन पर प्रभावों की भविष्यवाणी प्रस्तावित उत्पादन और उत्सर्जन में शुद्ध वृद्धि को ध्यान में रखकर की गई है।

शमन के उपाय

1. एडल में दो बार पानी की सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जाएगा।
2. प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न धूल को थिएक्टिविटी से पहले और बाद में काम करने वाले चेहरों पर पानी के छींटों से कम से कम किया जाएगा।
3. वृक्षारोपण दृष्टिकोण और लीज सीमा पर किया जाएगा।
4. खनन सामग्री के परिवहन मार्गों की योजना बनाना ताकि कम से कम मार्ग से निकटतम पक्की सड़कों तक पहुंच सके। (unpavedroad पर परिवहन को कम करें);
5. निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे धूल के मुखौटे, कान के प्लग आदि को खदान श्रमिकों को प्रदान किया जाएगा।
6. रॉक ब्रेकर का उपयोग धूल और शोर पैदा करने वाली पीढ़ी को कम करने के लिए आकार के बोल्टर को तोड़ने के लिए किया जाएगा, जो कि द्वितीयक नष्ट होने के कारण उत्पन्न होगा।
7. वाहनों की आवाजाही से हवाई भगोड़े धूल को कम करने के लिए गति सीमा लागू की जाएगी।
8. अपने शोर उत्सर्जन को कम करने के लिए पीयूसी प्रमाणित वाहनों को तैनात करना।
9. हौल सड़क को बजरी से ढंक दिया जाएगा
10. ट्रकों पर तिरपाल ढंकने से ट्रकों को फैलने से रोका जा सकेगा।
11. परिवेशी वायु की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए नियमित रूप से परिवेशी वायु गुणवत्ता **निगरानी का संचालन किया जाएगा।**
12. मशीनों के उचित रखरखाव से दहन प्रक्रिया में सुधार होता है और प्रदूषण में कमी आती है।
13. ईंधन और तेल का अच्छा रखरखाव और निगरानी गैसीय उत्सर्जन में महत्वपूर्ण वृद्धि की अनुमति नहीं देगा।

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

शोर पर्यावरण

खदान में उत्पन्न शोर अर्ध-मशीनीकृत खनन कार्यों और ट्रक परिवहन गतिविधियों के कारण होता है। खनन गतिविधि से उत्पन्न शोर खदान के भीतर ही फैल जाता है। आसपास के गांवों पर खनन गतिविधि का कोई बड़ा प्रभाव नहीं है। हालाँकि, उपरोक्त शोर स्तर का स्पष्ट प्रभाव केवल सक्रिय कार्य क्षेत्र के पास ही महसूस किया जाता है।

गाँवों पर शोर का प्रभाव नगण्य है क्योंकि गाँव खदान से बहुत दूर स्थित हैं। चूंकि इसमें बड़ी मशीनरी की कोई भागीदारी नहीं है, इसलिए शोर के स्तर का प्रभाव न्यूनतम होगा।

S. No	Impact Prediction	Mitigation Measures
1	खनन गतिविधियों के कारण शोर का प्रभाव।	सभी स्रोतों से शोर का स्तर आवधिक होता है और विशेष ऑपरेशन तक ही सीमित होता है।
2	वाहनों की आवाजाही के कारण शोर का प्रभाव।	<ul style="list-style-type: none">• शोर के उत्पादन को कम करने के लिए नियमित अंतराल पर मशीनों का उचित रखरखाव, ऑयलिंग और ग्रीसिंग की जाएगी।• शोर के प्रसार को कम करने के लिए संपर्क सड़कों के किनारे, कार्यालय भवन और खदान क्षेत्र के आसपास वृक्षारोपण किया जाएगा।• खनन मशीनरी के पास या उच्च शोर वाले क्षेत्र में काम करने वाले सभी ऑपरेटरों और कर्मचारियों को इयरमफ्स/इयरप्लग जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) प्रदान किए जाएंगे।• समय-समय पर शोर स्तर की निगरानी की जाएगी

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

जैविक पर्यावरण

S. No	प्रभाव की भविष्यवाणी	सुझावात्मक उपाय
1	जंगली जीवों के मुक्त विचरण/जीवन में व्यवधान	<p>इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि ओबी और अयस्क सामग्री ले जाने के लिए वाहनों की आवाजाही के दौरान उत्पन्न शोर अनुमेय शोर स्तर के भीतर हो।</p> <p>इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि मजदूरों द्वारा जानवरों (पक्षियों) का शिकार न किया जाए।</p> <p>अगर जंगली जानवर कोर जोन पार करते हुए दिखें तो बिल्कुल भी परेशान नहीं किया जाएगा।</p> <p>मजदूरों को भोजन, प्लास्टिक आदि फेंकने की अनुमति नहीं होगी, जो मुख्य स्थल के पास जानवरों को आकर्षित कर सकते हैं।</p> <p>अयस्क सामग्री ले जाने के लिए केवल कम प्रदूषण फैलाने वाले वाहन को ही अनुमति दी जाएगी। परियोजना स्थल क्षेत्र में अनुमति प्राप्त सभी वाहनों को तीन महीने के अंत में प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र प्रदान करना होगा।</p> <p>शोर का स्तर ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण), नियम, 2000, सीपीसीबी मानदंडों के अनुसार अनुमेय सीमा (दिन के दौरान मौन क्षेत्र - 50 डीबी) के भीतर होगा।</p>
2	वनस्पतियों की कटाई	<p>किसी भी पेड़ को काटने, काटने, लकड़ी काटने, झाड़ियों और जड़ी-बूटियों को उखाड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।</p> <p>आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पौधों का संग्रहण पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।</p>

भूमि पर्यावरण

S. No.	प्रभाव की भविष्यवाणी	शमन के उपाय
1	भूमि की स्थलाकृति में परिवर्तन/भूमि क्षरण	<p>एक निवारण उपाय के रूप में खदान गड्ढे की बहाली को जल भंडार में परिवर्तित करके और मछली प्रजनन या सिंचाई जैसे किफायती उपयोग में लाने का प्रस्ताव है।</p>

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुद, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

2	ठोस अपशिष्ट उत्पादन	लगभग 5% खनिज अपशिष्ट उत्पन्न होगा। ऊपरी मिट्टी को खनन किए गए क्षेत्रों में वापस भर दिया जाएगा, जिस पर वृक्षारोपण किया जाएगा।
3	जल निकासी पैटर्न में बदलाव	जल प्रवाह/मार्ग को बाधित नहीं किया जाएगा और प्राकृतिक नालों या नालों को परेशान नहीं किया जाएगा। खदान और खनिज ढेर से निकलने वाले पानी को आसपास के इलाकों में, विशेषकर कृषि भूमि में प्रवाहित होने से रोका जाएगा। आसपास की कृषि भूमि को पानी से प्रभावित होने से रोकने के लिए गारलैंड नालियां और कैच पिट का निर्माण किया गया है। सीमा में ग्रीन बेल्ट विकसित की गई है।
4	धूल उत्पन्न होने के कारण आस-पास के क्षेत्र में कृषि पद्धति पर प्रभाव	आस-पास के क्षेत्रों में कृषि गतिविधियाँ की जाती हैं, जो धूल उत्पन्न होने के कारण प्रभावित हो सकती हैं, लेकिन सक्रिय क्षेत्रों जैसे कि परिवहन सड़कों, उत्खनन स्थलों पर नियमित रूप से पानी छिड़कने जैसे शमन उपायों का सख्ती से पालन किया जाएगा ताकि प्रभाव कम से कम हो।

जल पर्यावरण

S.No	प्रभाव की भविष्यवाणी	शमन के उपाय
1	भूजल स्तर पर प्रभाव	एमएल क्षेत्र की अधिकतम ऊंचाई 305 मीटर एएमएसएल है। खदान की अंतिम गहराई 330 मीटर एएमएसएल तक है। भूजल स्तर 25 मीटर से 30 मीटर एएमएसएल है। खनन गतिविधि भूजल स्तर के साथ प्रतिच्छेद नहीं करेगी।
2	डंप से धो लें	कोई डंपिंग प्रस्तावित नहीं की गई है।
3	मिट्टी का कटाव	मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए खनन क्षेत्र का पुनरुद्धार वृक्षारोपण के साथ किया जाएगा
4	अपशिष्ट जल उत्पादन/निर्वहन	पोर्टेबल बायो-टॉयलेट का उपयोग किया जाएगा; इसलिए कोई सीवेज/तरल प्रवाह उत्पन्न नहीं होगा और रिसाव के कारण प्रदूषण की भी आशंका नहीं है।

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

5	निकटवर्ती कृषि क्षेत्र में गाद जमा होना	एमएल क्षेत्र के ढलान वाले साइड बैरियर पर गारलैंड नालियों का निर्माण किया गया है। तूफानी पानी में बहने वाले निलंबित ठोस पदार्थों को हटाने के लिए गारलैंड ड्रेन को निपटान टैंक के माध्यम से भेजा गया है।
---	---	--

10.5 अतिरिक्त अध्ययन

डिस्काउंट प्रबंधन योजना

खदान स्थल पर किसी भी खतरे से बचने के लिए खदान के जीवन के अंत में स्थानीय प्राधिकारी जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक आपदा प्रबंधन सेल का गठन किया जाएगा। डॉक्टर, एम्बुलेंस और इतने पर पुलिस विभाग के स्वास्थ्य अधिकारियों के पास खदान प्रबंधन के साथ एक आपदा के बाद खेलने के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा, और वे आपदा प्रबंधन योजना का एक अभिन्न हिस्सा होंगे।

आपदा प्रबंधन योजना का उद्देश्य मानव जीवन और संपत्ति की सुरक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। आपदा प्रबंधन योजना के उद्देश्य निम्नलिखित हैं। (i) घायल करने के लिए प्राथमिक चिकित्सा।

(ii) बचाव अभियान और घायलों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा का प्रावधान।

(iii) यदि आवश्यक हो तो बफर क्षेत्र में मानव जीवन की सुरक्षा।

(iv) संपत्ति और पर्यावरण को नुकसान से बचाना और कम करना।

(v) प्रारंभिक रूप से प्रतिबंधित करना और अंततः घटना को नियंत्रण में लाना।

(vi) किसी भी मृत को पहचानें।

(vii) नियमानुसार प्रशासन, DGMS और वैधानिक व्यक्तियों को सूचित करें।

10.6 परियोजना के लाभ और लागत मूल्यांकन

यह परियोजना भौतिक अवसंरचना में सुधार करेगी, सामाजिक अवसंरचना जैसे सड़क की स्थिति में सुधार, शुष्क मौसम के दौरान पानी की आपूर्ति, जल निकासी, शैक्षिक संस्थानों और बेहतर पर्यावरण की स्थिति, आदि। यह परियोजना लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और अप्रत्यक्ष रोजगार भी प्रदान करती है। यह आर्थिक गतिविधियों, बेहतर जीवन स्तर, शैक्षिक सुविधा, स्वास्थ्य सुविधा और अवसंरचनात्मक विकास को बढ़ाता है। यह परियोजना जिला खनिज निधि में योगदान करेगी जो विकास परियोजनाओं को निधि देने के लिए स्थानीय प्राधिकरण को सीधे सहायता प्रदान करेगी। मानसून के मौसम में वृक्षारोपण के दौरान प्रबंधन स्थानीय लोगों को फल देने वाले और अन्य पेड़ों आदि की मुफ्त पौध उपलब्ध कराएगा। इससे श्रमिकों और ग्रामीणों में हरियाली के प्रति चेतना बढ़ेगी। फलों के पेड़ अपने वित्तीय लाभ के लिए योगदान कर सकते हैं।

सीएसआर गतिविधियों को परियोजना के प्रस्तावक द्वारा न केवल अनिवार्य प्रावधानों को पूरा करने के रूप में लिया जा रहा है, बल्कि ब्रांड छवि के गठन या वृद्धि के लिए भी लिया जा रहा है। उपरोक्त के अलावा, CSR को व्यावसायिक प्रोत्साहन गतिविधि के बजाय समाज के प्रति एक जिम्मेदारी के रूप में अधिक देखा जाता है।

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुड, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

सूचीबद्ध सभी गतिविधियाँ संपूर्ण रूप से सामुदायिक विकास के लिए हैं न कि किसी व्यक्ति या परिवार के लिए। प्रत्येक विकास पहल को ग्राम पंचायत के साथ मिलकर लागू किया जाएगा। यदि आवश्यक हो तो परियोजना प्रस्तावक उपरोक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए एक गैर सरकारी संगठन की सेवाओं का लाभ उठा सकता है।

पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए बजट

Sl. No	Description	Capital Cost 1 st year (Rs)	Recurring Cost (Rs) 2 nd year	Recurring Cost (Rs) 3 rd year	Recurring Cost (Rs) 4 th Year	Recurring Cost (Rs) 5 th Year
1	Pollution Control & Dust Suppression	1,30,000	1,30,000	1,30,000	1,30,000	1,30,000
2	Pollution Monitoring	-	30,000	30,000	30,000	30,000
3	Plantation and salary for one gardener (full time basis) (8*12 = 96,000)	2,50,000	96,000	96,000	96,000	96,000
4	Haul road Maintenance Cost (50 m)	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000
5	Occupational health and safety cost	50,000	50,000	50,000	50,000	50,000
TOTAL (Rs)		5,30,000	5,60,000	5,60,000	5,60,000	5,60,000

व्यावसायिक स्वास्थ्य के लिए बजट

Particulars	Recurring Cost per year (Rs.)
For occupational health checkup	75,000
Total	75,000

खान श्रमिकों के लिए पानी, आश्रय और स्वच्छता के लिए बजट

Scheme	Capital Cost (In Rs)	Recurring Cost (In Rs)

परियोजना: सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान, में 2.61 हेक्टेयर, ग्राम-सेलुद, तहसील-पाटन जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़,
निवेदक - श्री श्याम शर्मा एवं श्री हिमांशु बघेल।

Drinking water facility (Water Cooler)	25,000	5,000
Rest shelter	1,00,000	10,000
Sanitation (Urinal and Toilet)	40,000	5,000
Total	1,65,000	20,000

निष्कर्ष

जैसा कि चर्चा है, यह कहना सुरक्षित है कि प्रस्तावित सुविधाओं से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि विभिन्न प्रदूषकों को अनुमेय सीमा के भीतर रखने के लिए पर्याप्त निवारक उपायों को अपनाया जाएगा। क्षेत्र के चारों ओर ग्रीन बेल्ट विकास को एक प्रभावी प्रदूषण माइटीगेटिव तकनीक के रूप में भी लिया जाएगा, साथ ही " सेलुड क्लस्टर चूना पत्थर खदान"। के परिसर से जारी प्रदूषकों के लिए जैविक संकेतक के रूप में भी काम किया जाएगा।